पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ० प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में राजभवन के शिक्षा अनुभाग द्वारा उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों व कार्यप्रणाली पर राजभवन असम के अधिकारीगणों के समक्ष प्रस्तुतीकरण

लखनऊ : 23 अप्रैल, 2024

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज राजभवन के शिक्षा अनुभाग द्वारा उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों व कार्यप्रणाली पर राजभवन असम के अधिकारीगणों के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया गया।

बैठक में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा तथा विश्वविद्यालयों में आये सकारात्मक बदलाव, विश्वविद्यालयों द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियां, कार्यप्रणाली आदि के संबंध में विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ0 पंकज एल0 जानी ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

राज्यपाल जी ने असम राजभवन के अधिकारीगणों से प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे महत्वपूर्ण सकारात्मक कार्यों व अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर से ही बच्चों में शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से रचनात्मकता और कल्पना शक्ति का विकास किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों द्वारा बच्चों हेतु शैक्षणिक टूर व विविध गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित करने को आवश्यक बताया। राज्यपाल जी ने विद्यालय में सभी मूलभूत व्यवस्थाओं की सुनिश्चितता, बच्चों के ड्रॉप आउट दर को रोकने व प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिये जाने को कहा। उन्होंने अपने कार्यानुभवों को साझा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों की डिग्रियों को डिजिलॉकर में अपलोड करवाया गया, जिससे ससमय सर्टिफिकेट और डिग्री विद्यार्थियों को उपलब्ध हुई और एक पारदर्शी व्यवस्था स्थापित

हुई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कोर्ट में लंबित सभी मामलों का समय से निस्तारण किया गया और पेंडेंसी को कम किया गया।

बैठक में डॉ0 पंकज एल जानी ने राज्य विश्वविद्यालयों में नैक, एन0आई0आर0एफ0, क्यू0एस0 एशिया एवं वर्ल्ड तथा अन्य विभिन्न प्लेटफार्म पर उत्कृष्ट प्रदर्शन में राज्यपाल जी के मार्गदर्शन में किये गए सतत प्रयास व कार्यो को बताया। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में निरंतर बैठक व समीक्षा बैठक विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन आदि के बेहतर परिणाम सामने आए और आज नैक मूल्यांकन में प्रदेश के 05 राज्य विश्वविद्यालय को "ए प्लस प्लस", 04 विश्वविद्यालय को "ए प्लस" व एक को "ए" रैंकिंग प्राप्त हुई है। इसके साथ–साथ एनआईआरएफ, क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग आदि में भी राज्य विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। उन्होनें कहा कि पीएम उषा ग्रांट के तहत 06 राज्य विश्वविद्यालय को 100–100 करोड़ रुपये एवं 08 विश्वविद्यालय को 20 –20 करोड़ रुपये के अनुदान प्राप्त हुए हैं तथा राज्य के तीन विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालय की श्रेणी में प्रथम रैंकिंग प्रदान की गई है।

डॉ0 पंकज एल0 जानी ने दीक्षांत समारोह में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रतिभाग करना, के0जी0 से पी0जी0 का सिद्धांत, राजभवन को बच्चों व आमजनों हेतु खोला जाना, पढ़े लखनऊ बढ़े लखनऊ, दिव्यांग बच्चों की शिक्षा हेतु प्रयास, राज्यपाल जी के जनपदीय भ्रमण के दौरान आंगनबाड़ी व प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण, राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाये जाने हेतु प्रयास, विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक और शिक्षणेत्तर गतिविधियों में प्रतिभागिता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु किए जाने वाले प्रयास आदि के बारे में विस्तार से प्रस्तुति दी। उन्होंने इस संदर्भ में राज्यपाल जी द्वारा विश्वविद्यालयों का निरीक्षण, नियमित मॉनिटरिंग व समीक्षा बैठक सहित कार्यप्रणालियों के बारे में भी विस्तार से बताया।

विदित है कि राजभवन असम के अधिकारी गण, राजभवन उत्तर प्रदेश के कार्यों से प्रेरित होकर यहां के विभिन्न विभागों के कार्य प्रणाली के संबंध में जानकारी हेतु

राजभवन उत्तरप्रदेश के दौरे पर हैं। इस क्रम में कल 22 अप्रैल 2024 को राजभवन के विभिन्न अनुभाग व विभाग यथा– उद्यान, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, आईटी, सूचना विभाग व अन्य विभागों ने अपनी कार्यप्रणाली व उपलब्धियों के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया था इसी क्रम में आज शिक्षा विभाग के अधिकारीगणों द्वारा राज्यपाल महोदय की उपस्थिति में प्रस्तुतिकरण दिया गया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी श्री राज्यपाल श्री अशोक देसाई, असम राज्य के राज्यपाल के सचिव श्री एस0एस0 मीनाक्षी सुंदरम, ए0डी0सी0 श्री गौरव मालिक, श्री प्रियंकर प्रतिम देका तथा श्री अमलन वैश्य आदि उपस्थित थे।

————

कृष्ण कुमार–सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र–9454468250